रूस और चीन को करारा जवाब देने के लिए अमेरिका ने कस ली है कमर

परीक्षण

अमेरिका ने हाइपसोनिक मिसाइल का किया सफल परीक्षण

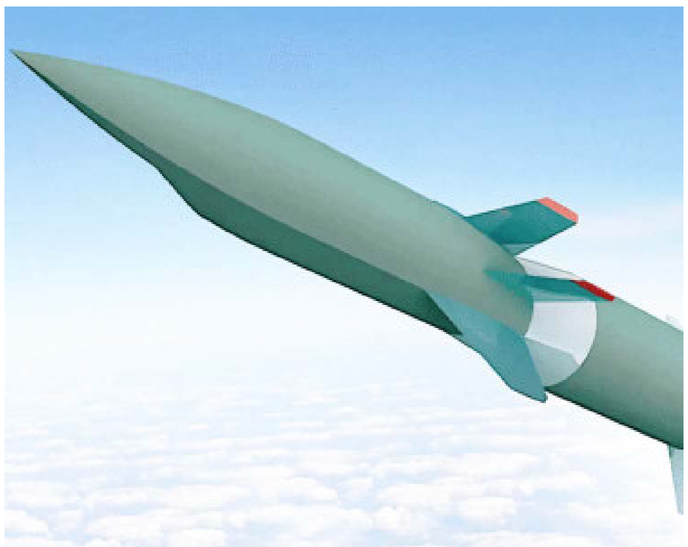

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
वॉशिंगटन। यूक्रेन युद्ध में हाइपरसोनिक मिसाइलें बरसाकर तबाही मचा रहे रूस और चीन को करारा जवाब देने के लिए अमेरिका ने कमर कस ली है। अमेरिका ने अपनी अत्याधुनिक हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल का पिछले महीने सीक्रेट तरीके से सफल परीक्षण किया है। इस मिसाइल को बहुचर्चित अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने तैयार किया है। इस मिसाइल को हाइपरसोनिक एयर- ब्रीदिंग वेपन कॉन्सेप्ट नाम दिया गया है। अमेरिका के पास अभी हाइपरसोनिक मिसाइलें नहीं हैं, वहीं रूस और चीन लगातार परमाणु बम गिराने में सक्षम हाइपरसोनिक मिसाइलें बना रहे हैं। अमेरिकी मिसाइल को परमाणु बॉम्बर B-52H की मदद से देश के पश्चिमी तट पर टेस्ट किया गया है। अमेरिका ने यूक्रेन को लेकर रूस के साथ चल रहे तनाव को देखते हुए अब तक इस परीक्षण को गुप्त रखा था। ऐसा पहली बार है जब इस अमेरिकी हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण सफल रहा है नहीं तो अभी तक किए गए कई परीक्षण असफल साबित हुए थे। परीक्षण के दौरान क्रूज मिसाइल ने 5 मैक से ज्यादा की गति हासिल की जो हाइपरसोनिक मिसाइल की सबसे बड़ी विशेषता होती है।

टेस्ट में मिसाइल 65 हजार फुट से ज्यादा की ऊंचाई पर गई: इससे पहले अमेरिकी एयरफोर्स ने कहा था कि इस मिसाइल में एक रॉकेट बूस्टर का इस्तेमाल किया जाएगा ताकि स्पीड को बढ़ाया जा सके। इसके बाद क्रूज मिसाइल की गति 5 मैक से लेकर 10 मैक तक हो जाएगी। इस ताजा टेस्ट में मिसाइल 65 हजार फुट से ज्यादा की ऊंचाई पर गई। इस दौरान मिसाइल ने 500 से ज्यादा किलोमीटर का रास्ता तय किया। इस मिसाइल को जमीनी हमला करने के डिजाइन किया गया है। हालांकि इसे नौसेना के लिए भी इसे बनाने की तैयारी है।

हाइपसोनिक मिसाइलों की रेस में बुरी तरह से पिछड़ चुका अमेरिका
अब रूस और चीन से टक्कर लेने के लिए अरबों रुपये खर्च कर रहा है। यही नहीं अमेरिका ने अब ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के साथ मिलकर एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है। इससे पहले अमेरिका ने रूस के साथ तनाव को देखते हुए अपनी अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल का परीक्षण दूसरी बार टाल दिया था। अमेरिका को डर सता रहा था कि इससे रूस के साथ संबंध बिगड़ सकते हैं या वह इसे गलती से संभावित हमले के रूप में ले सकता है।

न्यूज डायरी

इंसानों के बीच रह रहे एलियन, धरती पर हमले की तैयारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के प्रफेसर डॉक्टर डेविड जैकब्स ने धरती पर एलियंस की मौजूदगी को लेकर सनसनीखेज दावा किया है। अमेरिकी प्रफेसर ने कहा कि धरती पर एलियन मौजूद हैं और वे इंसानों का अपहरण कर रहे हैं। यही नहीं ये एलियन हमला करने की तैयारी कर रहे हैं। प्रफेसर जैकब्स ने दावा किया कि उन्होंने कई ऐसे लोगों का इंटरव्यू लिया है जो एलियन हमले में बच चुके हैं। वह एलियन्स के अपहरण पर कई किताब लिख चुके हैं। प्रफेसर जैकब्स अमेरिका के टेंपल यूनिवर्सिटी में पढ़ाते हैं और यूएफओ मामलों के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने अपनी खोज को एक डॉक्यूमेंट्री की शक्ल में पेश किया है। उनके निष्कर्ष बहुत ही डरावने हैं। उन्होंने दावा किया कि एलियन्स धरती पर कब्जा करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने यह निष्कर्ष धरती पर इंसानों के कथित अपहरण के आधार पर निकाला है।

पाकिस्तान में कमजोर सरकार चाहता है भारत, कश्मीर पर समझौता नही करेंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने राजनीतिक संकट को लेकर भारत के खिलाफ जहर उगला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान में नरम रुख वाली सरकार चाहता है। कुरैशी ने यह भी कहा कि भारत एक ऐसी पाकिस्तानी सरकार से नफरत करता है, जो अपने हितों की रक्षा करती है और एक स्वतंत्र विदेश नीति अपनाती है। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के उपाध्यक्ष कुरैशी ने कहा कि उनकी पार्टी का लक्ष्य भारत के साथ अच्छे संबंध बनाना है, लेकिन वह कश्मीर के खिलाफ बचकानी हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगी। पाकिस्तानी मीडिया एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, कुरैशी ने यह भी कहा कि किसी भी देश को पाकिस्तान के आंतरिक मामलों में दखल देने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक स्वतंत्र देश है और उसके फैसले संविधान, कानून और जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप होने चाहिए।

यूरोपीय संघ ने 48 घंटे में 120 रूसी डिप्लोमैट्स को देश से निकाला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्रसेल्स। यूक्रेन के बूचा में रूसी सेना के नरसंहार के बाद यूरोपीय संघ के सदस्य देश भड़के हुए हैं। पिछले 48 घंटे में कई देशों ने 120 से अधिक रूसी राजनयिकों को देश से निकाल दिया है। इनमें से अधिकतक राजनयिकों पर रूस के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया है। रूसी राजनयिकों को निष्कासित करने वाले देशों में स्पेन, इटली, डेनमार्क और स्वीडन, जर्मनी और फ्रांस शामिल हैं। यूरोपीय संघ ने आज ही रूस के खिलाफ नए प्रतिबंधों का ऐलान करते हुए 3 बिलियन से अधिक के कोयले के आयात पर रोक लगा दी है। हालांकि, जर्मनी और ऑस्ट्रिया के विरोध के कारण रूसी गैस और तेल सप्लाई पर प्रतिबंध का ऐलान नहीं किया जा सका। इटली ने रूस के 15 अन्य राजनयिकों को निष्कासित कर दिया।

श्रीलंका में आपातकाल हटाने के बाद भी सरकार पर मंडरा रहा खतरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। श्रीलंका में आर्थिक संकट के बीच राजनीतिक अस्थिरता के मद्देनजर वहां के राष्ट्रपति ने आपातकाल हटाने का फैसला किया है। बीते दिनो दर्जनों सांसदों के इस्तीफा देने के बाद राष्ट्रपति ने यह फैसला लिया है। वहीं राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को अब सत्ता जाने का खतरा सता रहा है क्योंकि उनके सांसद ही उनका साथ छोड़ रहे हैं और यहां तक की नवनियुक्त वित्त मंत्री अली साबरी ने भी केवल 24 घंटे के भीतर ही इस्तीफा दे दिया है। बता दें कि सबसे बड़े आर्थिक संकट में फंसे श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने चौतरफा हमला झेलने के बाद भी अपने पद से इस्तीफा नहीं देने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि वह इस्तीफा नहीं देंगे लेकिन संसद में जो भी पार्टी बहुमत साबित करेगी वह उसे सत्ता सौंप देंगे। बता दें कि सत्तारूढ़ गठबंधन ने वर्ष 2020 में हुए आम चुनावों में 150 सीटें जीती थीं लेकिन अब देश में आए संकट के बाद कई सांसदों ने उनसे समर्थन वापस ले लिया है।

रोमानिया में रूसी दूतावास के गेट से टकराई कार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
बुखारेस्ट। यूक्रेन में चल रही जंग के बीच रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में रूसी दूतावास के गेट से बुधवार को एक कार टकरा गई। इससे उसमें आग लग गई और चालक की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार सुबह छह बजे गेट से टकराई, लेकिन यह दूतावास परिसर के अंदर नहीं जा पाई। घटना से जुड़े एक वीडियो में कार से आग की लपटें निकलतीं और सुरक्षाबलों को क्षेत्र में भागते हुए देखा जा सकता है।

पुलिस ने बताया कि दमकल कर्मी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने आग पर काबू पाया, लेकिन तक तब चालक की मौत हो चुकी थी। घटना के संबंध में कोई और जानकारी नहीं मिल सकी है। यहां रूसी दूतावास ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से फोन पर कहा कि वह घटना के बारे में कोई और जानकारी अभी मुहैया नहीं करा सकता। गौरतलब है कि रोमानिया की सीमा यूक्रेन से लगती है और यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद से छह लाख से ज्यादा लोगों ने रोमानिया में शरण ले रखी है। रोमानिया ने रूस के दस राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था। रोमानिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दूतावास के दस कर्मचारी जिन्हें अवांछित घोषित किया गया है।

बुशरा बीबी की सहेली फराह पर लगा बड़ा आरोप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के पत्नी की सहेली और देश की सियासत में ट्रांसफर-पोस्टिंग क्वीन कही जाने वाली फराह खान के बारे में बुशरा बीबी के बेटे मूसा मानेका ने बड़ा खुलासा किया है। मूसा ने कहा कि दुबई फरार हो चुकीं फराह खान ने प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी मां बुशरा बीबी के साथ जो किया वह ठीक नहीं किया। बुशरा बीबी के बेटे ने दावा किया कि फराह खान का मानेका परिवार से कोई लेना-देना नहीं था। उधर, विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि बुशरा बीबी के इशारे पर फराह खान ने पंजाब प्रांत में जमकर ट्रांसफर-पोस्टिंग किए और जमकर भ्रष्टाचार किया।

75 साल में पाकिस्तान पर इतना कर्ज नहीं चढ़ा, जितना 3 साल में लादा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। नया पाकिस्तान बनाने का वादा करके सत्ता में आए इमरान खान अब कुर्सी गंवा चुके हैं। इमरान खान ने कहा था कि वह विदेशों से कर्ज नहीं लेंगे लेकिन हकीकत यह रही कि उन्होंने अपने करीब साढ़े तीन साल के शासनकाल में 18 ट्रिल्यन रुपये का सार्वजनिक कर्ज जोड़कर देश को कंगाल बना दिया। इमरान सरकार का यह कर्ज पिछले 75 साल में पाकिस्तान सरकार की ओर से जोड़े गए सार्वजनिक कर्ज से भी ज्यादा है। यह खुलासा खुद पाकिस्तान के रिजर्व बैंक कहे जाने वाले स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने

विदेशी कर्ज में भी इमरान के राज में 90 फीसदी की बढ़ोत्तरी

किया है। इमरान खान के रेकॉर्ड लोन लेने का नतीजा यह हुआ कि संघीय सरकार का कुल कर्ज फरवरी 2022 में बढ़कर 42.8 ट्रिल्यन पाकिस्तानी रुपये हो गया है। इसमें इमरान राज में पिछले साढ़े तीन साल में लिया गया 18.1 ट्रिल्यन रुपये का कर्ज शामिल है। इससे पहले इमरान खान की दो विरोधी पार्टियों पीएमएल एन और पीपीपी ने पिछले 10 साल में 18 ट्रिल्यन का सार्वजनिक कर्ज जोड़ा था। इस आंकड़े को इमरान खान ने साढ़े तीन साल में ही पार कर लिया

इमरान खान ने 3 अप्रैल को विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर हार से बचने के लिए संविधान विरोधी कदम उठाते हुए संसद को भंग कर दिया और अपनी सत्ता गंवा दी थी। आंकड़ों के मुताबिक पाकिस्तान की इमरान सरकार ने 1 सितंबर 2018 से फरवरी 2022 तक हर दिन 14.2 अरब रुपये का सार्वजनिक कर्ज लादा जो नवाज शरीफ की पार्टी के शासन काल के दौर से दोगुने से भी ज्यादा है। कुल सार्वजनिक कर्ज सितंबर 2018 से फरवरी 2022 के बीच 73 फीसदी तक बढ़ गया। अपने पूरे कार्यकाल के दौरान इमरान खान कर्ज को करने में पूरी तरह से फेल साबित हुए। पाकिस्तान की संघीय सरकार का कुल घरेलू कर्ज बढ़कर 27.7 ट्रिल्यन रुपये हो गया है।

चीन के सिचुआन में भूकंप के जोरदार झटके

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। सिचुआन प्रांत में यिबिन शहर के जिंगवेन काउंटी में आज सुबह यह भूकंप आया है। चीन के भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीइएनसी) के अनुसार इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.1 मैग्नीट्यूड मापी गई है। हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की कोई खबर फिलहाल सामने नहीं आई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, भूकंप का केंद्र 28.22 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 105.03 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 10 किमी की गहराई पर देखा गया। वहीं प्रांत के देलिंगा शहर में भूकंप का केंद्र शहर से 126 किमी दूर रहा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप का केंद्र 4,410 मीटर की ऊंचाई पर एक निर्जन क्षेत्र में स्थित था। डेलिंगा के आपातकालीन प्रबंधन ब्यूरो के अनुसार, भूकंप के केंद्र के 20 किमी के भीतर कोई गांव नहीं था। ब्यूरो ने कहा कि डेलिंगा और जिउक्वान, जियायुगुआन और झांगये शहरों के निवासियों ने झटके महसूस किए हैं।